यीशु सलीब पर मुआ

तेरे लिये,मेरे लिये

कैसा महान दुख सहा

तेरे लिये, मेरे लिये।

1. नदियां वो कैसी खूंन की

दृीष्‍ट के लहू से बह गई

ध्‍ुल गये पाप, मिट गये दाग

यीशु दृीष्‍ट के लहू से।

2. धे डालो आज पापों को

दिल से मिटा लो दागों को

हो जाओ सापफ़, तन मन से आज

यीशु दृीष्‍ट के लहू से।

3. मारा गया था क्रूस पर

छेदा गया था क्रूस पर

मैं भी बचा, तुम भी बचो।

यहोवा की सजाओं से।